भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 565
दिनांक 28 नवम्बर, 2024

पेट्रोल में इथेनॉल मिलाया जाना

565. श्री लुम्बा राम :
श्री अरुण गोविल :

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्तमान में पेट्रोल में कितने प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है;

(ख) उक्त उपायों से कितनी विदेशी मुद्रा की बचत हो रही है;

(ग) क्या 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने का निर्धारित लक्ष्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार चल रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) इथेनॉल तेल कंपनियों द्वारा गन्ना किसानों को उनके गन्ने की खरीद के बदले 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाने के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद कितना भुगतान किए जाने की संभावना है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) से (ग): सरकार, एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के तहत पेट्रोल में एथेनॉल के मिश्रण को बढ़ावा दे रही है। राष्ट्रीय जैव-ईंधन नीति-2018, जिसे वर्ष 2022 में संशोधित किया गया, में अन्य बातों के साथ-साथ वर्ष 2030 से पहले ही एथेनॉल आपूर्ति वर्ष 2025-26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का अग्रिम लक्ष्य रखा गया। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कम्पनियों (ओएमसीज) ने ईएसवाई 2021-22 के दौरान पांच महीने पहले अर्थात जून, 2022 में ही पेट्रोल में 10 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण के लक्ष्य को हासिल कर लिया है। एथेनॉल का मिश्रण ईएसवाई 2022-23 में 12.06 प्रतिशत तक बढ़ गया और फिर ईएसवाई 2023-24 के दौरान बढ़कर लगभग 14.6 प्रतिशत हो गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान, दिनांक 30.09.2024 की स्थिति के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की ओएमसीज द्वारा पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण के कारण विदेशी मुद्रा में लगभग 1,08,655 करोड़ रूपए से अधिक की बचत हुई है।

(घ) चीनी आधारित फीडस्टॉक से उत्पादित एथेनॉल ने चीनी कारखानों के अपने अधिशेष चीनी इंटवेटरी में कमी करने और गन्ना किसानों को देय राशि को चुकाने के लिए शीघ्र राजस्व का सृजन करने में सहायता की। पिछले 10 वर्षों के दौरान, ईबीपी कार्यक्रम ने दिनांक 30.09.2024 की स्थिति के अनुसार, किसानों को लगभग 92,409 करोड़ रू. के शीघ्र भुगतान करने में सहायता की। उसी अवधि के दौरान, ईबीपी कार्यक्रम के परिणामस्वरूप विदेशी मुद्रा में लगभग 1,08,655 करोड़ रू. से अधिक की बचत हुई, 185 लाख मीट्रिक टन कच्चे तेल को प्रतिस्थापित किया था और लगभग 557 लाख मीट्रिक टन की निवल सीओ$_2$ में कमी हुई। यह अनुमान लगाया गया है कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल के मिश्रण के परिणामस्वरूप किसानों को वार्षिक 35000 करोड़ रू. से अधिक का भुगतान करने की संभावना हो सकती है।

****